पंजाब केसरी 11/09/2025

जी.एम.एन. कालेज ने उगाड़ा स्कूल में किया कार्यक्रम का आयोजन

'हिन्दी : हमारी विरासत एवं वसीयत की गूंज'

'हिन्दी : हमारी विरासत एवं वसीयत की गूंज' कार्यक्रम के लिए उगाड़ा स्कूल पहुंचे जी.एम.एन. कालेज के विद्यार्थी। (देवदत्त)

अम्बाला, 10 सितम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कालेज के हिन्दी विभाग ने हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उगाड़ा में सूचनात्मक सत्र का आयोजन किया, जिसका विषय 'हिन्दी: हमारी विरासत एवं वसीयत की गूंज' था।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने हिन्दी के विकास में जी.एम.एन. कालेज के सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए अपने अभिनंदनीय वक्तव्य में कहा कि हिन्दी भाषा हमारी राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं मातृभाषा है। इसका सर्वांगीण विकास हमारा कर्तव्य है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. रितु गुप्ता ने कहा कि हिन्दी सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ-साथ विश्व की संभवत: सबसे वैज्ञानिक भाषा भी है जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु है।

इसी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डा. राजेन्द्र देशवाल ने कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा के रूप में न सिर्फभारत की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। डा. अनीश ने कहा कि भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिन्दी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर हिन्दी भाषा के गहनता के विषय में जानकारी प्राप्त कर विद्यार्थियों में प्रसन्नता के भावों की झलक स्पष्टत दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कालेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने विभाग के सभी प्राध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि मातृभाषा के क्षेत्र में कालेज के हिन्दी विभाग का अथक प्रयास सराहनीय है। यदि राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति अपना कर्तव्य समझकर ऐसा प्रयास करे तो एक दिन हिन्दी को विश्व की प्रथम भाषा बनने से कोई रोक नहीं सकता।